भारत-भारती का भविष्यत्-खंड एक साथ राष्ट्रीय जागरण, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण का दस्तावेज है, इस कथंन को खंड की विषयवस्तु के आधार पर सिद्ध कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7602 **L**

Unique Paper Code : 2053100021

Name of the Paper : Bharat Bharti

Name of the Course : **B.A. Hons. Hindi – DSE**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(कोई 3)** (12×3=36)

(i) क्षत्राणियाँ भी शत्रुओं से हैं। यहाँ निर्भय लड़ी,

इतिहास में जिनकी कथाएँ हैं अनेक भरी पड़ी।

देकर विदा युद्धार्थ पति को प्रेमवल्ली-सी खिलीं,

यदि फिर 'न भेंट हुई यहाँ तो स्वर्ग में झट जा मिलीं।।

(ii) सौ में पचासी जन यहाँ निर्वाह कृषि पर कर रहे,

पाकर करोड़ें अर्द्ध भोजन सर्द आहें भर रहे।

जब पेट की ही पड़ रही फिर और की क्या बात है,

'होती नहीं है भक्ति भूखे' उक्ति यह विख्यात है।

(iii) निज पूर्वजों का हास्य करना है हमारा खेल-सा,

लगता हृदय में मेल हमको अति भयंकर शेल-सा!

कोई कहे हित की उसे हम शत्रु समझेंगे वहीं,

मधुमय अपथ्य अभीष्ट है, कट पथ्य हमको प्रिय नहीं।।

(iv) भारत! तुम्हारा आज यह कैसा भयंकर वेष है?

है और सब निःशेष केवल नाम ही अब शेष है।

ब्रह्मत्व, राजन्यत्व युत वैश्यत्व भी सब नष्ट है,

शूद्रत्व और पशुत्व ही अवशिष्ट है, हा! कष्ट है!!।।

2. भारत-भारती में पौराणिक और सांस्कृतिक संदर्भों का प्रयोग मैथिलीशरण गुप्त ने किस उद्देश्य से किया है? इन संदर्भों की राष्ट्रीय चेतना जागृत करने में क्या भूमिका है? (18)

अथवा

"भारत-भारती राष्ट्रीय नवजागरण का काव्य-घोषणापत्र है"- इस कथन की समीक्षा कीजिए।

3. वर्तमान खंड के आधार पर साहित्य, धर्म तथा स्त्री की दशा एवं दिशा का वर्णन कीजिए। (18)

अथवा

वर्तमान-खंड की प्रासंगिकता पर विचार करेते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

4. भविष्यत्-खंड में कवि का आशावादी दृष्टिकोण किन-किन रूपों में सामने आता है? गुरु-शिष्य संबंध, नेतृत्व और समन्वय भावना के आधार पर उत्तर दीजिए। (18)

अथवा